

PVabc

Vel'ký týždeň – Pondelok, Utorok, Streda

The Great Week – Mo, Tu, We

8. hlas // plag. 4th echos

Vo Vel'kom týždni je večiereň ukončením dňa, jej texty sú (aj) z predchádzajúcej utierne.

// In the Great Week the vespers are closing (!) the daily akoluthia and many stikhera of the previous matins are repeated.

Τῆς ξηρανθείσης συκῆς

Δευτέραν Εύαν τήν Αιγυπτίαν

Κύριε η εν πολλαίς αμαρτίαις (Ποίημα Κασσιανῆς Μοναχῆς)

Byz

Am 226v (227-31), Dk 208v (420-7), Ott 244v (492-501), Trin 233v (234-8)

G260 180v (185-8), G261 173r (177-80), G262 221v (225-8), G265 208v (213-6), G270 164r (168-71)

Vi 204v (408-17), Va 70v (71-9),

Sn 1214 172v (173-6)

Starorus.

Χηλ 13r

Rus. ref.

S409 232r, S411 221v, S414 692r, S447 196r

Rus. – staroobradovci

Pomor Triod' 121r

RI

J005 313v

Kassiina stichira zo stredy nie je doložená v staroruských prameňoch. V poreformných rukopisoch nachádzame iba veľkorospevné spracovania, ktoré sa značne odchyľuje od pôvodiny.

// The famous stikhera Kassiani is not found in the old Russian mss. In the reformed Russian sources there appears only a great chant setting, which is a newer composition independent from the original.

Text

Pondelok

Εἰς τὰ Ἀπόστιχα Ἦχος πλ. δ' // Γλῆζ ἦ:

Τῆς ξηρανθείσης γG
συκῆς διὰ τὴν ἀκαρπῖαν, γa
τό επιτίμιον^a φοβηθέντες ἀδελφοί. γG3
καρπούς ἀξίους τῆς μετανοίας,
ὡ παρέχοντι ἡμῖν^a τὸ μέγα ἔλεος. G3
προσάξωμεν Χριστῷ, D3

Ἠζρόχшїа εμοκόβєннцѣ зa нєплóдїѣ,
прєцмѣнїа оубо́дѣшєєа брáтїѣ.
πλoδὲ δoσtῴннѣ ποκaλῆнїа
прннєѣмz χр̑т̑δ̑,
пoдaнóцємδ нáмz бѣлїo мл̑т̑ѣ.

Δόξα... Καί νῦν... // Γλῆβα, ἦ нвннѣ, γλῆζ τῳ̑жє:

Δευτέραν Εὐάν G2 τὴν Αἰγυπτίαν, G3 //
ευρών ο δράκων, G2 διὰ ρημάτων. G3
ἔσπευδε κολακείαις,^a ὑποσκελίσαι τόν Ἰωσήφ, G3

ἀλλ' αὐτός καταλιπὼν τόν χιτῶνα, F2
ἔφυγε^h τὴν αμαρτίαν. G3

καί γυμνός οὐκ ησχύνετο, D2
ὡς ο Πρωτόπλαστος, G2
πρό τῆς παρακοῆς, G3

αυτοῦ ταῖς ἱκεσίαις Χριστέ, a
ελέησον ἡμᾶς. G3

Вторoгд̑ю ѣв̑н̑ ѣг̑п̑т̑ан̑н̑ю
о́в̑р̑ѣт̑z см̑н̑ гл̑г̑о́лы.
т̑ц̑л̑шєєа л̑єк̑áн̑н̑мн̑ з̑п̑áт̑н̑ ἰω̑с̑н̑φ̑.
нo τῳ̑ ὠσtῴнєєz ρ̑з̑δ̑,
б̑ѣж̑à г̑р̑ѣχ̑à:
ἦ нáг̑z нє ст̑ц̑д̑áшєєа,
ѣ̑кoжє пєρ̑вoз̑д̑áн̑н̑н̑
пр̑ѣж̑дє прєєл̑д̑ш̑áн̑н̑а.
тoг̑ῳ̑ м̑т̑в̑аμн̑ χ̑р̑т̑ѣ пoμ̑н̑л̑δ̑ ἥєєz.

Streda

Εἰς τὰ Ἀπόστιχα Δόξα/ Καὶ νῦν... Ἰδιόμελον Ἦχος πλ. δ' Ποῖημα Κασσιανῆς Μοναχῆς
Гл҃ва, ѧ н҃иѣѣ, емогл҃аєнз, гл҃аєз ѧ: Творѣнїе касїїаны ѧнокннн.

Κύριε,^G
ἡ ἐν πολλαῖς αμαρτίαις^a περιπεσοῦσα Γυνή, yG3 -a

τήν σὴν**yG^G αισθομένη θεότητα, D2
μυροφόρου yG^G αναλαβούσα τάξιν, ya
οδυρομένη μύρα σοι, G2
πρό τοῦ ενταφιασμοῦ κομίζει. G3

Οἶμοι!^h λέγουσα, G2
οτι νύξ μοι, υπάρχει,^d
οίστρος ακολασίας, yd
ζοφώδης τε^c καὶ ασέλῃνος, G2
έρως^d τῆς αμαρτίας. G3

Δέξαι μου^h
τάς πηγὰς τῶν δακρῶν, G2 ||
ο νεφέλαις^h
διεξάγων^h τῆς θαλάσσης τὸ ὕδωρ, G2 ||
κάμφθητί μοι G2
πρὸς τοὺς στεναγμοὺς^d τῆς καρδιάς, G2 ||
ο κλίνας τοὺς ουρανοὺς **cd
τῆ ἀφάτω σου κενώσει, G3

καταφιλήσω c3 τοὺς ἀχράντους σου πόδας, G2
αποσμήξω^h τούτους δέ πάλιν, G2
τοῖς τῆς κεφαλῆς^d μου βοστρύχοις, G2
ὧν ἐν τῷ Παραδείσῳ Εὐα D2
τὸ δειλινόν**Ga κρότον τοῖς ωσίν^a
ἠχηθείσα, F2 τῷ φόβῳ ἐκρύβη. yG3

Ἀμαρτιῶν μου τὰ πλήθη G2
καὶ κριμάτων σου ἀβύσσους, G2
τίς ἐξιχνιάσει G2 ψυχοσώστα Σωτήρ μου; yh3
Μὴ με^h τὴν σὴν δούλην παρίδης, G2
ο ἀμέτρητον ἔχων G2 τὸ ἔλεος. G3

Г҃и, ѧже во мнѡгѣа грѣхѣн бпдшлл жєнѧ,

тѣоѧ ѡψѡдѣнѣшлл бѣжєтѣо,
м҃ѣроноєици бзѣмши чїнз,
рѣдѧюци м҃ѣро тѣѣѣ
прѣжде погрєбѣнїѧ рннѡєицз:

о҃бѣ мнѣ гл҃голюци!
ѧкѡ нѡчь мнѣ ѣтѣ
рлзжжѣнїѧ блддѧ нєвоздєржѧннл,
мрѧчїноѧ жє ѧ бєздѧннѡ
рлчѣнїѧ грѣхѧ.

прїмнѧ моѧ ѧтѡчннкн глѣзз,
ѧжє ѡблѧкѧмн пронзводѧнѧ мѡрѧ бѡдѧ.
рнκλονїѧ κз моѧмз

боздычѧнїѣмз єрдѣчнѣмз,
рнκλονїѣѣнѣѧ
нєнзрѣѣннѣмз тѣоѧмз ѧтѡчѧнїѣмз:

дл ѡблѡбыжѣ ррѣчїтѣѣн тѣоѧ нѡзѣ,
ѧ ѡтѣѣ
гл҃бѣ моєѧ бл҃бѣ,
ѧжжє вз рлѧ ѣнл,
по полдѧнн, шѣмомз о҃шы
ѡглѧнѣшн, єтрѧчѡмз єκρύѣл.

грѣхѡвз моѧчз мнѡжѣтѣл,
ѧ єдѧѣз тѣоѧчз бѣздѧнн
κтѡ ѧзєлѣднцз; дѣшєєпѧсчє єпсє мѡѧ.
дл мѧ тѣоѧ рлѣѣ нє прѣзрїшн,
ѧжє бєзмѣрнѣю ѧмѣѧнѧ млѣтѣ.

Prepis // Transcription

Τῆς ξηρανθείσης συκῆς

Am ˘ ˘ ˘ >> ˘ ˘ ˘ ˘ > ˘ > ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘

G260 ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ > ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘

Dk ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ > ˘ > ˘ ˘ > ˘ ˘ ˘

Vi, Va ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ > ˘ ˘ ˘ ˘ > ˘ ˘ ˘

Τῆς ξηρ-αν- θεί- σης συ- κῆς δι- ά τήν α- καρ-πί- αν,*

Xηλ ˘ ˘ ˘ ˘ = ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ =

Σ ˘ ˘ ˘ ˘ = ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ =

S409/11 Σ ˘ ˘ ˘ ˘ = ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ =

S414 Σ ˘ ˘ ˘ ˘ = ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ =

Σ ˘ ˘ ˘ ˘ = ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ ˘ =

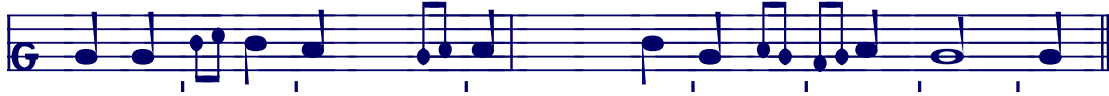
CO_ ΧΟ_ ΣΗΗ_ ΙΑ. ΣΜΟ_ ΚΟΒ_ ΝΗ_ ΛΑ ΝΕ_ ΠΛΟ_ ΔΗ_ ΙΑ ΡΑ_ ΔΗ.

S447

Pomor



G270



Am



Dk

Dk



G265



Vi,Va



τώ παρ-έ- χον-τι η- μίν τό μέ- γα έ- λε- ος. *

Χηλ



ΠΟ_ ΔΑ_ ΙΟ_ ΨΙΠΟ_ ΟΥ_ ΜΟΥ_ ΝΑ_ ΜΨ_ ΚΕ_ ΛΗ_ ΙΟ_ ΜΗ_ ΛΟ_ ΣΤΨ.

S411



S414



S447

ΠΟ_ ΔΑ_ ΙΟ_ ΨΙΕ_ Ω_ ΜΟΥ_ ΝΑ_ ΜΨ_ ΚΕ_ ΛΗ_ ΙΟ_ ΜΗ_ ΛΟ_ ΣΤΨ.

Pomor



Δευτέραν Εύαν τήν Αιγυπτίαν

G

Am

G

Dk

G

G265

G

G262

Vi

Va

Δευ-τέ-ραν Εύ- αν τήν Αι- γυπ-τί- αν, *

Xηλ

Β τ- το ρογ-ιο ιε- γ- γογ ιε- γιο- πτα- ν'δι- νιο.

S411

S447

Β το ρογ-ιο εβ- γχ ε- γη- ππα- ηλι- νιο.

Pomor

J005

Β πο ρχ-ιο εβ- γχ ε- γη- ππα- ηλι- νιο.

S414



G262



Am



Dk

Vi

Va

ευ-ρών ο δρά-κων δι-ά ρη-μά-των,*

Χηλ

ο_ βρ_κ_τ_β_ ζ_μ_η_ η_ σ_λ_ο_ β_ε_ σ_β_ ρ_α_ δ_η_.

S411

S414

ω_ βρ_κ_τ_ο_ σ_μ_η_ η_ σ_λ_ο_ β_ε_ σ_ο_ ρ_α_ δ_η_.

S447



ω_ βρ_κ_τ_ε_ σ_μ_η_ η_ σ_λ_ο_ β_ε_ σ_ο_ ρ_α_ δ_η_.



Am,Dk



Vi



Va



έ-σπευ- δε κο- λα- κεί- αις, υ- πο-σκε- λί- σαι τον Ι- ω- σήφ, *

Χηλ



ΤΨΑ_ Α_ ΣΕ_ ΣΑ_ ΛΑ_ ΣΚΑ_ ΝΗ_ Ε_ ΜΕ_ ΖΑ_ ΠΑ_ ΤΗ_ Η_ Ω_ ΣΗ_ ΦΑ_

S409



S411



S414



ΤΨΑ_ ΣΑ_ ΣΑ_ ΛΑ_ ΣΚΑ_ ΝΗ_ Ε_ ΜΕ_ ΖΑ_ ΠΑ_ ΤΗ_ Η_ Ω_ ΣΗ_ ΦΑ_

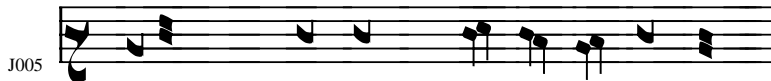
S447



ΤΨΑ_ ΣΑ_ ΣΑ_ ΛΑ_ ΣΚΑ_ ΝΗ_ Ε_ ΜΕ_ ΖΑ_ ΠΑ_ ΤΗ_ Η_ Ω_ ΣΗ_ ΦΑ_



Pomor



J005

ΠΨΑ_ ΣΑ_ ΣΑ_ ΛΑ_ ΣΚΑ_ ΝΗ_ Ε_ ΜΕ

Pomor



ΖΑ_ ΠΑ_ ΤΗ_ Η_ Ω_ ΣΗ_ ΦΑ_

J005



ΖΑ_ ΠΑ_ ΠΗ_ Η_ Ω_ ΣΗ_ ΦΑ_



G262



Am



Trin

G260

G265



Dk



G261



Ott

Vi

Va

αλλ' αυ- τος κα- τα- λι- πων τον χι- τω- να,*

Xηλ

HO T'Z O STA_BH B'Z RH_ZOY

S411

S414

S447

HO TON O STA_BH BO RH_ZOY

Pomor



J005



HO PON O STA_BH BO RH_ZX



Am, Dk

G260

Ott

Vi

Va

έ- φυ- γε τήν α- μαρ-τί- αν, *

Χηλ

ηζ_ βκ_ же ω_ τβ γρκ_ χα.

S411

S414

S447

ηζ_ βκ_ же ω_ τβ γρκ_ χα.

Pomor

J005

ηζ_ βκ_ χα ω_ πκ γρκ_ χα.



Am,Dk



G262



G261



Ott



Vi,Va



ως ο Πρω-τό-πλα-στος* πρό τής παρ-α-κο-ής,*

Χηλ



ΓΑ_ ΚΟ ΠΕΡ_ ΒΟ_ ΖΔΑ_ ΝΥ_ Η ΠΡΕ_ ΖΕ ΠΡΕ_ ΣΛΟΥ_ ΣΑ_ ΝΗ_ ΓΑ.

S411



S414



ΓΑ_ ΚΟ ΠΕΡ_ ΒΟ_ ΖΔΑ_ ΝΥ_ Η ΠΡΕ_ ΖΕ ΠΡΕ_ ΣΛΟΥ_ ΣΑ_ ΝΗ_ ΓΑ.

S447



ΓΑ_ ΚΟ_ ΖΕ ΠΕΡ_ ΒΟ_ ΖΔΑ_ ΝΥ_ Η ΠΡΕ_ ΖΕ ΠΡΕ_ ΣΛΟΥ_ ΣΑ_ ΝΗ_ ΓΑ.



Pomor



J005

ΓΑ_ ΚΟ ΠΕΡ_ ΒΟ_ ΖΔΑ_ ΝΥ_ Η ΠΡΕ_ ΣΛΟΥ_ ΣΑ_ ΝΗ_ ΓΑ.



G262



Dk



Am



G260



Vi,Va



αυ- τού ταις ι- κε- σί- αις Χρι-στέ,* ε- λέ- η- σον η- μάς.

Χηλ



ΤΟ_ ΓΟ_ ΜΟ_ ΛΗ_ ΤΒΑ_ ΜΗ_ ΧΡΗ_ ΣΤΕ_. ΠΟ_ ΜΗ_ ΛΟΥ_ Η_ ΝΑ_ ΣΨ.

S411



S414 /47



ΤΟ_ ΓΟ_ ΜΟ_ ΛΗ_ ΤΒΑ_ ΜΗ_ ΧΡΗ_ ΣΤΕ_. ΠΟ_ ΜΗ_ ΛΟΥ_ Η_ ΝΑ_ ΣΨ.

Pomor



J005



ΠΟ_ ΓΟ_ ΜΟ_ ΛΗ_ ΠΒΑ_ ΜΗ_ ΧΡΗ_ ΣΤΕ_. ΠΟ_ ΜΗ_ ΛΨ_ Η_ ΝΑ_ ΣΟ.

Κύριε η εν πολλαίς αμαρτίαις



Am Ott G261

Chord symbols and rhythmic notation for the first system, including a yellow highlight on the G261 chord.



Dk Vi Va

Κύ-ρι-ε* η εν πολ-λαίς α-μαρ-τί-αις πε-ρι-πε-σού-σα Γυ-νή,

Chord symbols and rhythmic notation for the second system, including the Greek lyrics.



Am,Dk Ott Trin Vi Va

τήν σήν * αι-σθο-μέ-νη θε-ό-τη-τα,*

Chord symbols and rhythmic notation for the third system, including the Greek lyrics.



Am,Dk Ott G262

Chord symbols and rhythmic notation for the fourth system, including a yellow highlight on the G262 chord.



G265 G260 Vi,Va

μυ-ρο-φό-ρου α-να-λα-βού-σα τά-ξιιν,*

Chord symbols and rhythmic notation for the fifth system, including the Greek lyrics.



Am,Dk

Vi,Va ο- δυ- ρο- μέ- νη μύ- ρα σοι, *



Ott



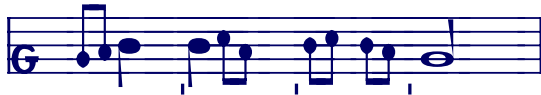
Am,Dk

Vi y

Va πρό τού εν- τα- φι- α-σμού κο- μί- ζει. *



Dk



Am

Vi

Sn1214

Va

Οί- μοι! * λέ- γου-σα, *



G260/5



Am,Dk

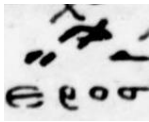
G262

Trin

Vi

Va

ο- τι νύξ μοι υπ- άρ-χει* οί-στρος α- κο- λα- σί- ας*



Sn1214



Am

Dk

G261

Vi,Va

ζο- φώ-δης τε και α- σέ- λη- νος,* έ- ρως τής α- μαρ-τί- ας.*



Am

Dk

Vi,Va

Δέ- ξαι μου* τάς πη- γάς τών δα-κρύ- ων,*



Am



Dk

G262

Vi

Va

ο νε- φέ-λαις δι- εξ- ά- γων* τής θα- λάσ-σης τό ύ- δωρ, *



G270



Am,Dk

G262

Vi,Va

κάμ-φθη-τί μοι * πρὸς τοὺς στε-ναγ-μούς τῆς καρ-δί- ας, *



G260



Am,Dk

G262

Vi

Sn1214

Va

ο κλί-νας τοὺς ου- ρα- νούς,* τῆ α- φά- τω σου κε- νώ- σει, *



G260



G262



Am,Dk



G261



G265



Vi,Va



κα- τα- φι- λή- σω* τούς α-χράν-τους σου πό- δας, *

Sn1214



Am



Dk



Ott



G265



Vi,Va



Sn1214



α- πο- σμή- ζω* τού-τους δέ πά- λιν*



Am,Dk



Ott



Vi



Va



τοίς τής κε- φα- λής μου βο-στρύ-χοις, *



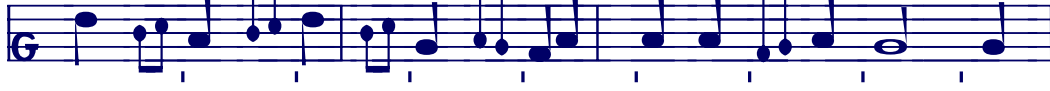
Am,Dk
 G262
 Vi
 Sn1214
 Va
 ών εν τώ Πα-ρα- δει- σω Εύ- α* τό δει- λι- νόν,*



G265



Am



G262



Dk



G260

G270



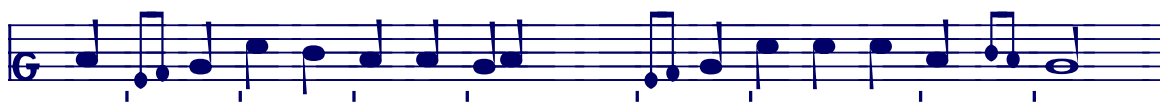
Ott

Vi,Va

Sn1214

κρό-τον τοίς ω- σίν η- χη- θεί- σα, * τώ φό- βω ε- κρύ- βη.*

.trisem



Am

Dk

G270



Ott

G261

Vi, Va

A- μαρ- τι- ών μου τά πλή-θη* καί κρι- μά- των σου α- βύσ-σους,



Am



Dk

G265

G260

Vi, Va

Sn1214

τίς εξ- ιχ- νι- ά- σει * ψυ- χο- σώ- στα Σω- τήρ μου; *



Am

Dk

Ott

Vi

Sn1214

Va

Μή με τήν σήν δού-λην παρ-ί- δης,

